

ঝটিকার রাতে তুমি এসেছিলে অতন্দ্র মম আঁখি পাতে ।  
 ভীতির ভাবনা দূর করে দিলে, বলিলে ভেবো না, আমি সাথে ।  
 আমি যে রয়েছি তব সাথে ॥

বন্ধ দুয়ার আপনি খুলিলে অর্গল নিজ হাতে সরাইলে ।  
 আসন পাতিয়া আপনি বসিলে দূরন্ত সেই কালরাতে ॥

হিয়া কেঁপেছিল করে ধরধর অনুভূতি ছিল অতি মনোহর ।  
 মনে হয়েছিল এই যে প্রহর এ থাকিয়া যাক কালাতীতে ।  
 এ যেন না যায় কোন মতে ॥

(কলিকাতা, ১১ই আগষ্ট, ১৯৮৩)

তাল : দাদরা

| ১'                                                | ০         | ১'       | ০         |
|---------------------------------------------------|-----------|----------|-----------|
| II{ পা -া -া   পা -া -া I পা ধা পা   মা গরা গা }I |           |          |           |
| ঝ টি কা                                           | র রা তে   | তু মি এ  | সে ছি০ লে |
| I{ গা পা মা   গা রা গা I সা রা মা   গা -া -া }I   |           |          |           |
| অ ত ০                                             | ন্দ্র ম ম | আঁ খি পা | তে ০ ০    |
| I পা -া -া   পা -া -া I পা ধা পা   মা গরা গা I    |           |          |           |
| ভী তি র                                           | ভা ব না   | দু র ক   | রে দি০ লে |
| I গা পা মা   গা রা গা I সা রা মা   গা -া -া I     |           |          |           |
| ব লি লে                                           | ভে বো না  | আ মি সা  | থে ০ ০    |
| I গা পা মা   গা রা গা I সা রা মা   গা -া -া II    |           |          |           |
| আ মি যে                                           | র যে ছি   | ত ব সা   | থে ০ ০    |
| অতন্দ্র ..... আঁখিপাতে ॥                          |           |          |           |
| II{ রা -া -া   পমা মা পা I ধা -া -া   ধা -া -া }I |           |          |           |
| ব ০ ক                                             | ছ০ যা র   | আ প নি   | খু লি লে  |

I   ধা   না   ধনসাঁ   |   সাঁ   না   ধা   I   পা   ধা   পা   |   মা   গা   না   I  
অ   ০   গাঁ০   ল   নি   জ   হা   তে   স   রা   ই   লে

I মা ধা া | ধা ণা ধা | পা ধা পা | মা গা া I  
আ স ন পা তি যা আ প নি ব সি লে

I    গা   পা   মা   |   গা   রা   গা   I    সা   রা   মা   |   গা   -া   -া   II  
 ছ   র   ০        শু   সে   ই        কা   লো   রা        তে   ০   ০

অতঃ ..... অঁখিপ'তে ॥

II { রা -া পমা । মা মা পা I ধা -া -া । ধা -া -া I  
 হি যা কেঁ০ পে ছি ল ক রে থ র থ র

I    ধা    না    ধনসাঁ ।    সাঁ    না    ধা    ।    পা    ধা    পনা ।    ধা    পমা    গা } I  
 অ    মু    ভু০০    তি    ছি    ল    অ    তি    ম০    নো    হ০    র

I    গা   ধা   -া   |    ধা   গা   ধা   I    পা   ধা   পা   |    মা   গা   -া   I  
ম   নে   প         ড়ে   ছি   ল                  এ   ই   যে        প্র   হ   র

I    গা    পা    মা    |    গা    রা    গা    I    সা    রা    মা    |    গা    -া    -া    I  
এ    থা    কি       রা    যা    ক       কা    লা    তী       তে    ০    ০

I    গা    পা    মা    |    গা    রা    গা    I    সা    রা    মা    |    গা    -া    -া    IIII  
এ    যে    ন            না    যা    য            কো    ন    ম            তে    ০    ০

অতঃপর..... আখিপাতে ॥